www.xtrapapers.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE LOCAL EXAMINATIONS SYNDICATE
in collaboration with
MINISTRY OF EDUCATION, SINGAPORE
General Certificate of Education Ordinary Level

HINDI **3195/02**

Paper 2 Language Usage and Comprehension

October/November 2004

1 hour 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, index number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.

This document consists of **9** printed pages and **3** blank pages.

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section A
खंड क

A1 Separation of Words [10]

संधि-विच्छेद

निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए और अपने उत्तर दिए गए उत्तर पत्र में लिखिए।

1 परोपकार

2 दिनेश

3 यतीन्द्र

4 हिमालय

5 प्रत्येक

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

A2 Idioms, Proverbs and Words in Pairs [10]

मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सह-प्रयोग

निम्नलिखित वाक्यों में भरने के लिए नीचे दिए गए मुहावरों, लोकोक्तियों और सह-प्रयोगों में से उपयुक्त मुहावरे, लोकोक्तियाँ और सह-प्रयोग चुनिए और उन्हें उत्तर-पत्र में लिखिए।

6 देश की किसे परवाह है, सब लोग ________________ लगे हैं।

7 केकयी __________________ थी इसलिए मंथरा की बातों में आ गई।

8 कानून की नज़र में ___________ सब बराबर हैं।

9 गंगू भले ही ज़्यादा पढ़ा-लिखा नहीं था, लेकिन गाँव में वही पंडित माना जाता था। कहते हैं - ___________________ ।

10 चतुरसेन ने अपने लड़के की इतनी बड़ाई की कि सुधी राम को लगने लगा ________________ है।

(1)	कान देना	(6)	छोटा-बड़ा
(2)	अपना उल्लू सीधा करना	(7)	काला अक्षर भैंस बराबर
(3)	सच-झूठ	(8)	अंधों में काना राजा
(4)	दाल में काला होना	(9)	रंग बदलना
(5)	दिन दूनी रात चौगुनी	(10)	कान का कच्चा होना

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

A3 Sentence Transformation

वाक्य-रूपांतरण

निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए अधूरे वाक्यों को इस तरह बदल कर पूरा कीजिए कि उनका अर्थ ऊपर दिए गए वाक्यों से भिन्न न हो। अपने उत्तर दिए गए उत्तर-पत्र में लिखिए।

11 आज का काम कल पर मत छोड़ो।
आपको ________________________ चाहिए।

12 राम के स्टेशन पर पहुँचने से पहले ही गाड़ी चल पड़ी।
गाड़ी ________________________________ ।

13 महान खिलाड़ी प्रतिदिन अभ्यास करते हैं, इसीलिए अच्छा खेल दिखा पाते हैं।
प्रतिदिन अभ्यास करने ____ ।

14 राम ने बाण से रावण का वध किया।
रावण _______________________ ।

15 अध्यापक बच्चों को पढ़ा रहा है।
बच्चे अध्यापक ___________________________ ।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

A4 Cloze Passage 0]

क्लोज़ पैसेज

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर उनकी संख्या को अपने उत्तर पत्र में लिखिए।

बंधुआ मज़दूरी की __**16**__ भारत में सदियों से चली आ रही है। देहातों में ग़रीब __**17**__ बीमारी, अकाल और बाढ़ के दिनों का या शादी-ब्याह जैसे मौक़ों का ख़र्च उठाने के लिए साहूकारों और ज़मींदारों से कर्ज़ लेते हैं और उसे __**18**__ के लिए बरसों तक मज़दूरी लिए बिना साहूकारों के यहाँ काम करते हैं। लेकिन अक्सर इस कर्ज़ के __**19**__ की दरें इतनी ऊँची होती हैं कि कर्ज़े की रक़म बढ़ती ही जाती है और __**20**__ के बोझ से दबे व्यक्ति की पूरी उम्र बेगारी या बिना मज़दूरी काम करते बीत जाती है। इसी को __**21**__ मज़दूरी कहते हैं। अगली बार __**22**__ पड़ने पर ये बंधुआ मज़दूर अगला कर्ज़ लेने के लिए अपने बच्चों की मज़दूरी भी गिरवी रखने पर मजबूर हो जाते हैं। इसे बाल-बंधुआ मज़दूरी या बाल-दासता भी कहते हैं। वैसे आजकल __**23**__ में बंधुआ मज़दूरी को ग़ैरकानूनी बना दिया गया है, फिर भी बंधुआ मज़दूरी के __**24**__ काम करने वाली संस्थाओं का कहना है कि बिहार जैसे पिछड़े __**25**__ में लाखों ग़रीब लोग और उनके बच्चे बंधुआ मज़दूरों की ज़िंदगी बिताने को मजबूर हैं।

(1)	चुकाने	(6)	प्रथा	(11)	मिटाने
(2)	लोग	(7)	ब्याज	(12)	काटने
(3)	ख़िलाफ़	(8)	ज़रूरत	(13)	पैसा
(4)	सिंगापुर	(9)	भारत	(14)	कर्ज़े
(5)	राज्यों	(10)	कमी	(15)	बंधुआ

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section B

खंड 'ख'

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बंगाल में लेखक तो बहुत से हुए हैं लेकिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की बात ही कुछ और थी। उनका जन्म कोलकाता के पास नौहाटी नाम के एक कस्बे में एक संपन्न परिवार में हुआ था, जहाँ उन्होंने कई श्रेष्ठ उपन्यास लिखे और वंदे मातरम् गीत लिखकर अपने आप को अमर कर लिया। बंकिम बाबू के उपन्यासों में आनंद मठ सबसे लोकप्रिय हुआ। यह बंगाल के भीषण अकाल की कहानी है जो सर जॉन शोर की रिपोर्ट के मुताबिक़ 1769 - 1770 में पड़ा था। इस अकाल के दौरान बंगाल में अनाज सोने के दाम बिकने लगा था। बच्चे माताओं की गोद में दूध के लिए तड़प-तड़प कर मर जाते थे। लाशों को सरे आम चीलें, सियार और कौए नोच-नोच कर खाते थे।

एक तरफ़ प्रकृति का तांडव चल रहा था तो दूसरी तरफ़ था नवाबों का शासन, जिसे चला रहे थे मुर्शिदाबाद के नवाब मीरजाफ़र। ऊपर से अँग्रेज़ों ने शाह आलम से दीवानी हासिल करके लगान की वसूली अपने हाथों में ले ली थी। प्रजा इन दोनों पाटों के बीच पिसती जा रही थी। कहते हैं कि जब दुअमली होती है - प्रजा पर दो-दो शासकों का शासन होता है - तो उसके दुःख भी दुगने हो जाते हैं। जैसे अमावस की रात सूरज और चाँद के मिल जाने से गहरी काली हो जाती है। यही हाल अकाल से जर्जर बंगाल का हो रहा था। कोई सहारा नहीं था, बस था तो केवल शासन का ज़ुल्म।

इसी ज़ुल्म से तंग आकर अपने महंतों के इशारे पर मठ के सन्यासियों ने बग़ावत की थी। उनका दल गाँव-गाँव जाकर वन्दे मातरम् का गीत गाता और लोगों को आज़ादी के लिए जगाता था। बंकिम बाबू ने इसी त्रिकोणात्मक कहानी को बड़ी कुशलता से उस समय का सजीव चित्रण करते हुए अपने उपन्यास में पिरोया है। बंगाल में यह उपन्यास बेहद लोकप्रिय हुआ और उनका वन्दे मातरम् गीत तो घर-घर में गाया जाने लगा।

B5 MCQ Comprehension [14]
आशय समझना

ऊपर दिए गए अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे चार-चार उत्तर दिए गए हैं। सही उत्तर को चुन कर उत्तर पत्र में उसकी संख्या लिखिए।

26 बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म कहाँ हुआ था?

(1) कोलकाता में
(2) नौहाटी में
(3) गौहाटी में
(4) आनंद मठ में

27 बंकिम बाबू ने अपने आप को कैसे अमर किया?

(1) श्रेष्ठ उपन्यास लिखकर
(2) अकाल का सजीव चित्रण कर के
(3) वंदे मातरम् गीत लिखकर
(4) गाँव-गाँव गीत गाकर

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

28 बंकिम बाबू का सबसे प्रसिद्ध उपन्यास किसके बारे में था?

(1) बंगाल के भीषण अकाल के बारे में
(2) नवाबों के शासन के बारे में
(3) अँग्रेज़ों की दीवानी के बारे में
(4) अनाज के दामों के बारे में

29 अकाल के दिनों में बंगाल पर किसका शासन था?

(1) शाह आलम का
(2) अँग्रेज़ों का
(3) प्रजा का
(4) नवाब मीरजाफ़र का

30 दुअमली में क्या होता है?

(1) रात गहरी काली हो जाती है
(2) सूरज और चाँद मिल जाते हैं
(3) प्रजा के दुःख दोगुने हो जाते हैं
(4) कोई सहारा नहीं रहता

31 सन्यासियों ने बग़ावत क्यों की थी?

(1) अँग्रेज़ों के इशारे पर
(2) शासन के ज़ुल्म से तंग आकर
(3) नवाबों के इशारे पर
(4) प्रजा के कहने पर

32 आनंद मठ की कहानी कैसी है?

(1) त्रिकोणात्मक
(2) सजीव
(3) शासन के ज़ुल्म की
(4) सन्यासियों की

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

Section C
खंड 'ग'

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर जहाँ तक संभव हो, अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए, पूरे-पूरे वाक्यों में दीजिए।

आज से क़रीब ढाई हज़ार साल पहले भारत के लोग लड़ाई का एक खेल खेलते थे जिसका नाम था - चतुरंग। चतुरंग, प्राचीन भाषा संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ है सेना के चार अंग - हाथीसवार, घुड़सवार, रथसवार और पैदल सेना। इन चार तरह की सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए चतुरंग में चार तरह की गोटियों का प्रयोग किया जाता था और पाँसे फेंक कर उनकी चालें चली जाती थीं। शतरंज के खेल का जन्म इसी चतुरंग से हुआ है।

सेना के चारों हिस्सों का सूझ-बूझ के साथ प्रयोग करते हुए जीत हासिल करने का यह खेल इतना दिलचस्प था कि इसकी लोकप्रियता फैलने में देर न लगी और व्यापार के साथ-साथ यह खेल चीन और फ़ारस तक जा पहुँचा। सातवीं सदी की एक फ़ारसी पुस्तक के अनुसार हिंद के एक दूत ने बादशाह नौशेरवान की राजसभा में आकर दूसरे कई बेशक़ीमती उपहारों के साथ-साथ शतरानी नाम का एक खेल इस चुनौती के साथ पेश किया था कि बादशाह सलामत इस खेल की सारी चालें सीख कर दिखाएँ। फ़ारस से यह खेल अरब और पश्चिम यूरोप के देशों और रूस में पहुँचा और लोकप्रिय हुआ।

जिस रूप में शतरंज आजकल खेला जाता है, उसकी शुरुआत पन्द्रहवीं सदी के आसपास दक्षिणी यूरोप में हुई। शतरानी खेल के कुछ पुराने नियमों में सुधार किए गए और खेल को ज़्यादा दिलचस्प बनाने के लिए क़िलाबंदी और पहली क़तार के पियादों को पहली चाल में दो घर चलने की छूट जैसे नए नियम जोड़े गए। इसके अलावा कुछ मोहरों की ताक़त भी बढ़ाई गई। इन सुधारों की बदौलत शतरानी खेल का सबसे कमज़ोर माना जाने वाला मोहरा - वज़ीर, आज के शतरंज का सबसे ताक़तवर मोहरा - क्वीन या रानी, बन गया।

शतरंज की पहली विश्व चैंपियनशिप सन 1866 में लंदन में खेली गई जिसे चैकोस्लोवाकिया के खिलाड़ी श्टाइनित्स ने जीता था। लेकिन 1927 के बाद से दुनिया को अधिकांश चोटी के शतरंज खिलाड़ी पुराने सोवियत संघ के देशों ने दिए हैं। इनमें एलेख्राइन, ताल, बोत्विनिक, कार्पोफ़ और कास्पारोफ़ जैसे विश्व विजेताओं के नाम लिए जा सकते हैं। वैसे बहुत से लोग अमरीका के मर्फ़ी और फ़िशर को और क्यूबा के कापाब्लांका को दुनिया के महानतम शतरंज खिलाड़ी मानते हैं। विश्वनाथन आनंद, शतरंज की विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

C6 OE Comprehension

आशय समझना

33 शतरंज के खेल का जन्म कब, कहाँ और कैसे हुआ?

34 चतुरंग का क्या अर्थ होता है और इसे कैसे खेला जाता था?

35 शतरंज का खेल फ़ारस में क्यों और कैसे पहुँचा?

36 यूरोप में शतरंज कब और कहाँ से आया?

37 शतरंज के महानतम खिलाड़ी किन देशों ने दिए हैं? इनमें से किन्हीं चार के नाम गिनाइए।

38 आज के शतरंज और पुराने शतरंज में क्या फ़र्क़ है?

C7 Vocabulary [10]

शब्दार्थ

ऊपर दिए गए अवतरण के रेखांकित शब्दों को नीचे दिया गया है। इनका अर्थ लिखिए।

39 प्राचीन

40 सूझ-बूझ

41 बेशक़ीमती

42 सुधार

43 अधिकांश

End of Paper

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

www.xtrapapers.com

BLANK PAGE

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers